राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का

उच्च शिक्षा में स्वरूप

तथा

क्रियान्वयन की चुनौतियां

SPONSORED BY
Dept. of Higher Education
Govt. of Madhya Pradesh

ORGANISED BY
Govt. Tulsi College, Anuppur
Madhya Pradesh

A Research Souvenir
based on
ONE DAY NATIONAL SEMINAR

EDITOR

Preeti Vaishya

एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उच्च शिक्षा में स्वरूप तथा क्रियान्वयन की चुनौतियां

दिनाँक: 28 अगस्त 2023

समय: दोपहर 11:30 बजे

मुख्य अतिथि वक्ता

पीयूष त्रिपाठी
सहायक प्राध्यापक
राजनीतिशास्त्र विभाग
देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गुलावठी बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश।

डॉ. दिवाकर सिंह राजपूत
प्रोफेसर, प्रमुख, डीन और निदेशक
समाजशास्त्र विभाग
डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय
सागर (म.प्र)

डॉ. जे.के. संत
संरक्षक / प्राचार्य
शासकीय तुलसी महाविद्यालय
अनूपपुर (म.प्र)

संयोजक
प्रीति वैश्य

समन्वयक
डॉ. अमित भूषण

सह-संयोजक
संगीता बासरानी

गुगल मीट लिंक :- https://meet.google.com/ppw-hyhj-wsz
पंजीयन लिंक :- https://forms.gle/h3SDmPW1W4c5N8hN7

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उच्च शिक्षा के स्वरूप और क्रियान्वयन की चुनौतियां' विषय पर प्रस्तुत यह शोध पुस्तिका उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा वित्त पोषित एवं शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार में प्राप्त शोध पत्र/आलेखों का संग्रह है।

संरक्षक—डॉ. जे.के. संत (प्राचार्य) शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर (म.प्र.)

संयोजक/सम्पादक—प्रीति वैश्य, सहा. प्राध्यापक अर्थशास्त्र

सह-संयोजक—संगीता बासरानी, सहा. प्राध्यापक प्राणीशास्त्र

समन्वयक—डॉ. अमित भूषण, सहा. प्राध्यापक अर्थशास्त्र

ISBN : 978-81-19335-74-9

रुद्रादित्य प्रकाशन
109, एच/आर/3-एन, ओ.पी.एस. नगर,
कालिन्दीपुरम, प्रयागराज, 211011
मो. नं. 8187937731, 8175030339
ईमेल : rudraditya00.gmail.com

शाखाएँ : कौशाम्बी रोड, झलवा, प्रयागराज

प्रथम संस्करण : 2024

© लेखकाधीन

टाइप सेटिंग : रुद्रादित्य प्रकाशन डीटीपी यूनिट

कवर डिजाइन : राज भगत

आस्था पेपर कन्वर्टर
भार्गव प्रिन्टर्स

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उच्च शिक्षा में स्वरूप तथा क्रियान्वयन की चुनौतियाँ

प्रीति वैश्य

मूल्य : ₹ 200/- **मात्र**

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर द्वारा दिनांक 28 अगस्त 2023 को 'राष्ट्रीय शिक्षा न 2020 का उच्च शिक्षा में स्वरूप तथा क्रियान्वयन की चुनौतियां' विषय पर आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार के आउटकम के रूप में इसी शीर्षक पर पुस्तक प्रकाशित की जा रही है। मैं उच्च शिक्षा में विचार विमर्श के आयोजन को मूर्त रूप देकर इसे पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने के लिए विशेषज्ञों, लेखकों, संपादक, तथा प्राचार्य सहित महाविद्यालय को उनकी टीम को हार्दिक बधाइयां देता हूं और आशा करता हूं कि महाविद्यालय ऐसी बौद्धिक संपदा के निर्माण में अनवरत सन्नद्ध रहेगा।

शुभकामनाओं सहित।

आयुक्त

उच्च शिक्षा, मध्य प्रदेश शासन

●

शुभकामना संदेश

शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर द्वारा दिनांक 28 अगस्त 2023 को "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उच्च शिक्षा में स्वरूप तथा क्रियान्वयन की चुनौतियां" विषय पर आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार के आउटकम के रूप में प्रकाशित होने वाली पुस्तक के बारे में जानकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। विचार विमर्श से ही किसी घटना का मूल्यांकन तथा उसे अलग अलग दृष्टिकोण से समझने का अवसर प्राप्त होता है। मुझे यह आशा है कि यह पुस्तक उच्च शिक्षा के समक्ष आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों की व्याख्या करने में सक्षम सिद्ध होगी। मैं इस पुस्तक प्रकाशन के लिए विशेषज्ञों, लेखकों, संपादक, तथा प्राचार्य सहित महाविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाइयां देता हूं और महाविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

शुभकामनाओं सहित

......

21.2.24

अतिरिक्त संचालक
उच्च शिक्षा रीवा संभाग रीवा (म0प्र0)
रीवा संभाग, रीवा (म0प्र0)

शुभकामना संदेश

हर्ष का विषय है कि उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उच्च शिक्षा के स्वरूप के संबंध में प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों में स्पष्ट समझ विकसित कर, उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण करने हेतु 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उच्च शिक्षा में स्वरूप और क्रियान्वयन की चुनौतियां' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार पर आधारित शोध पुस्तिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

इस व्यावहारिक वेबिनार के संचालन में आपका समर्पण और प्रयास उच्च शिक्षा में एनईपी 2020 द्वारा उत्पन्न चुनौतियों को समझने और संबोधित करने के लिए हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। मैं इस आयोजन को हमारी शैक्षणिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनाने के लिए आप सभी की सराहना करता हूं।

इसके अलावा, वेबिनार के दौरान प्राप्त बहुमूल्य शोध आलेखों के आधार पर एक शोध पुस्तक प्रकाशित करने का निर्णय एक सराहनीय पहल है। यह प्रकाशन निस्संदेह उच्च शिक्षा पर व्यापक चर्चा में योगदान देगा और वेबिनार के दौरान अर्जित ज्ञान का प्रसार करने में मदद करेगा।

आइए हम इस उपलब्धि को शिक्षा में उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और समकालीन शैक्षिक सुधारों के साथ हमारी सक्रिय भागीदारी के प्रमाण के रूप में मनाएं। मुझे विश्वास है कि इस तरह के प्रयास हमारे शैक्षणिक समुदाय को समृद्ध करते रहेंगे और निरंतर सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देंगे एवं विद्यार्थी नवीन शिक्षा नीति में मिले अवसरों के सफल उपयोग द्वारा कुशलता एवं क्षमता का विकास कर योग्य नागरिक के रूप में अपने जीवन के लक्ष्यों को पाने में सफल होंगे।

एक बार फिर समस्त तुलसी महाविद्यालय परिवार को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई।

शुभकामनाएँ

डॉ. जे. के. संत
प्राचार्य
शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर

प्राक्कथन

मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहाँ अकादमिक सत्र 2021-22 से राज्य के समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों मसलन, विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों के स्नातक प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम द्वारा नई शिक्षा नीति, 2020 का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उच्च शिक्षा में नई शिक्षा नीति, 2020 के क्रियान्वयन से न केवल प्रदेशभर के उच्च शिक्षा के सैद्धान्तिक स्वरूप में न केवल आमूल परिवर्तन दृष्टिगोचर हुआ है, अपितु इसके क्रियान्वयन में चुनौतियां परिलक्षित हुई हैं। अकादमिक सत्र 2023-24 में स्नातक के तीन वर्षों की कक्षाओं में नई शिक्षा नीति, 2020 लागू हो चुकी है, ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि उच्च शिक्षा में लागू नई शिक्षा नीति, 2020 के क्रियान्वयन में उत्पन्न हुई चुनौतियों का एक खाका तैयार किया जाये, जिससे नई शिक्षा नीति, 2020 को उसकी मूल भावना में लागू करने में एकरूपता और निश्चितता के साथ आगे बढ़ा जा सके।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई शिक्षा नीति 2020, भारतीय शिक्षा प्रणाली को व्यापक तौर पर वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने तथा आधुनिकीकरण के उद्देश्य से तैयार की गई है। नीति के अंतर्गत सन 2035 तक उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात का लक्ष्य 50 फीसदी निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए भारी मात्रा में निवेश की आवश्यकता होगी। यह भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक ऐतिहासिक परिवर्तन है जिसके अंतर्गत उच्च शिक्षा के लिए कई अन्य महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किये गए हैं जिसके अंतर्गत शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण व्यवस्था और नैतिक मूल्यों के समावेशन के साथ-साथ अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना शामिल है। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए छात्रों, शिक्षकों और प्रशासकों के दृष्टिकोण में बदलाव के साथ ही उच्च शिक्षण संस्थानों को उपयुक्त संसाधनों से लैस करने, तकनीकी नवाचार और दक्षता को बढ़ावा देने के साथ विभिन्न चुनौतियों का समाधान ढूंढने की भी आवश्यकता होगी।

ऐसे में नई शिक्षा नीति, 2020 में उच्च शिक्षा के स्वरूप को समझने तथा इसके क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण करने के उद्देश्य से इस शोध पुस्तिका

का निर्माण किया गया है। इस हेतु नई शिक्षा नीति 2020 के उच्च शिक्षा में स्वरूप के विभिन्न पहलुओं जैसे, विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली, समावेशी शिक्षा, मूल्यांकन पद्धति आदि के अध्ययन संबंधी विभिन्न शोध आलेखों को सम्मिलित किया गया है। इस शोध पुस्तिका में एक ओर नई शिक्षा नीति किस प्रकार भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व को उजागर करते हुए नवीन शिक्षण पद्धति में महत्वपूर्ण भारतीय सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना की दिशा में प्रयासरत है, इस पर चर्चा की गई है; वहीं दूसरी ओर शिक्षण पद्धति में ऑनलाइन शिक्षा के महत्व एवं सूचना प्रौद्योगिकी के समावेशन के साथ ही व्यावसायिक शिक्षा के लिए तैयार किए जा रहे रोडमैप की भी चर्चा की गई है। प्रत्येक इच्छुक अभ्यर्थी तक गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की पहुँच, तकनीकी एकीकरण हेतु डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण एवं उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता का निरंतर मूल्यांकन और सुधार करने के लिए एक मजबूत तंत्र की आवश्यकता आदि विभिन्न चुनौतियों के बारे में अभिमत रखे गए हैं तथा इस संबंध में आवश्यक सुझाव भी दिये गए हैं।

पुस्तक में नई शिक्षा नीति पर चर्चा करते समय राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य को आधार बनाया गया है, साथ ही मध्य प्रदेश के विशेष संदर्भ में चुनौतियों का आकलन किया गया है। विभिन्न लेखकों ने सैद्धान्तिक पहलुओं से ज्यादा व्यावहारिक चुनौतियों तथा प्राप्य रणनीतियों की चर्चा की है। आशा है यह शोध पुस्तिका राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उच्च शिक्षा के स्वरूप पर विचार करने के साथ, उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण करके महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्रस्तुत करेगी।

■

आभारोक्ति

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उच्च शिक्षा के स्वरूप और क्रियान्वयन की चुनौतियां' विषय पर प्रस्तुत यह शोध पुस्तिका उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा वित्त पोषित एवं शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार का परिणाम है। सर्वप्रथम आयुक्त उच्च शिक्षा मध्य प्रदेश, जिनके प्रदत वित्त एवं उपसंचालक, उच्च शिक्षा रीवा सम्भाग के निर्देशानुसार NEP 2020 आधारित राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन कर इस शोध पुस्तिका का प्रकाशन किया जा रहा है, को हृदयतल से आभार है। तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.जे.के.संत का आभार व्यक्त करते हैं, जिनके संरक्षण एवं मार्गदर्शन में इस राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया।

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर द्वारा प्रकाशित इस शोध पुस्तिका के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान देने के लिए शिक्षाविद डॉ. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रोफेसर, प्रमुख, डीन एवं निदेशक समाजशास्त्र विभाग, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, मध्य प्रदेश का हृदयतल से आभार है, जिन्होंने इस शोध पुस्तिका के आधार कार्यक्रम राष्ट्रीय वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर अपना महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. रुक्मणि देवी वरिष्ठ अनुसंधान सहयोगी, गिरि इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, लखनऊ, श्री पीयूष त्रिपाठी, सहायक प्राध्यापक, राजनीतिशास्त्र विभाग, देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुलावठी, बुलंदशहर, उत्तरप्रदेश एवं डॉ.किटी मौर्य सहायक प्राध्यापक, रसायनशास्त्र, एसबीएस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिपरिया, मध्यप्रदेश को वेबिनार में उनके महत्वपूर्ण योगदान एवं शोध आलेखों के लिए हृदय से आभार है। डॉ.अमित भूषण द्विवेदी सहा. प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र, द्वारा दिए गए बेशकीमती सुझावों, सतत् समीक्षा एवं टिप्पणियों के माध्यम से सम्पूर्ण लेख एवं विभिन्न अध्यायों को नवीनता से परिभाषित करने, विषय केंद्रित एवं उपयुक्त बनाए रखने में दिए गए योगदान हेतु आभार है।

डॉ. रमा नायडू, अतिथि व्याख्याता, अंग्रेजी, शास.कन्या महाविद्यालय अनूपपुर, डॉ. प्रदीप कुमार सोनी, शास.जे.एम.सी. कन्या महाविद्यालय मण्डला, (म.प्र.) द्वारा प्रदत्त उनके शोध आलेखों हेतु हृदय से आभार है।

महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के सहा. प्राध्यापकगण- श्रीमती संगीता बासरानी, प्राणीशास्त्र विभाग, डॉ. गीतेश्वरी पाण्डेय, गणितविभाग, डॉ. आकांक्षा राठौर, वाणिज्य विभाग, सुश्री पूनम धाण्डे, इतिहास विभाग, श्री विनोद कुमार कोल एवं श्री ज्ञान प्रकाश पाण्डेय, समाजशास्त्र विभाग, श्री कमलेश कुमार चावले, राजनीतिशास्त्र विभाग, डॉ. योगेश तिवारी, अतिथि व्याख्याता, हिन्दी विभाग का उनके द्वारा प्रदत्त शोध आलेखों हेतु धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

हम महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. देवेंद्र सिंह बागरी एवं श्री शाहबाज़ खान सहा. प्राध्यापक, वाणिज्य के प्रति भी आभारी हैं: जिन्होंने हमें हर संभव सहयोग दिया।

■

अनुक्रम

अध्याय	शीर्षक	पृष्ठ क्र.
1.	विषय प्रवेश : उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का स्वरूप एवं चुनौतियाँ Author : श्रीमती प्रीति वैश्य	15
2.	मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का स्वरूप एवं क्रियान्वयन की चुनौतियों संबंधी कारकों का समीक्षात्मक विश्लेषण Author : अमित भूषण	25
3.	नई शिक्षा नीति की व्यावहारिक चुनौतियाँ: उच्च शिक्षा के विशेष संदर्भ में Author : पीयूष त्रिपाठी	32
4.	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवम ऑनलाइन शिक्षा Author : कमलेश कुमार चावले	38
5.	भारतीय ज्ञान परंपरा एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 Author : डॉ. प्रदीप कुमार सोनी	47
6.	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: भारतीय ज्ञान प्रणाली की क्षमता को उजागर करना Author : ज्ञान प्रकाश पाण्डेय	50
7.	ट्रांसफॉर्मिंग एजुकेशन: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारतीय ज्ञान प्रणाली की पुनर्स्थापना Author : पूनम धांडे	54
8.	समावेशन शिक्षा पर एनईपी 2020 का प्रभाव Author : डॉ. योगेश कुमार तिवारी	58

9.	विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली और इसकी कार्य पद्धति Author : डॉ. आकांक्षा राठौर	61
10.	राष्ट्रीय शिक्षानीति-2020 Author : विनोद कुमार कोल	64
11.	New Education Policy2020:Integration of Technology Author : Dr. Rukmani Devi	67
12.	The New Education Policy in India : Consequences and Future Outlook Author : Dr. Rama Naidu	75
13.	Interdisciplinary assessment in higher education (NEP-2020) : A Review Author : Sangita Basrani	95
14.	Vocational Subjects in light of NEP 2020 Author : Kity Maurya	102

●●●

भारतीय ज्ञान परंपरा एवं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

डॉ. प्रदीप कुमार सोनी
जे.एम.सी. महिला महाविद्यालय मण्डला (म.प्र.)

परिचय

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 शैक्षिक सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। भारत की ज्ञान परंपरा की समृद्ध टेपेस्ट्री में निहित, एनईपी 2020 अपने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक सार को संरक्षित करते हुए शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने का प्रयास करता है। यह लेख भारतीय ज्ञान परंपरा और एनईपी 2020 के बीच गहरे संबंध की पड़ताल करता है तथा बताता है कि कैसे वे मिलकर भारत के शिक्षा परिदृश्य को बदलने का लक्ष्य रखते हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा

भारत की ज्ञान परंपरा हजारों वर्षों से चली आ रही प्राचीन है और इसने दुनिया पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। वेदों, उपनिषदों और प्राचीन धर्मग्रंथों जैसे ग्रंथों में निहित इस परंपरा ने हमेशा समग्र शिक्षा, नैतिक मूल्यों और स्वयं और ब्रह्मांड की गहरी समझ पर जोर दिया है। इसने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान के अनूठे मिश्रण को बढ़ावा दिया, जिसने गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा और दर्शन सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया।

इस परंपरा का सार गुरु-शिष्य परंपरा में निहित है, एक शिक्षक-छात्र संबंध जो संवाद, आलोचनात्मक सोच और पीढ़ी-दर-पीढ़ी ज्ञान के हस्तांतरण को प्रोत्साहित करता है। यह एक बहु-विषयक दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है, जिसका उदाहरण तक्षशिला और नालंदा जैसे प्राचीन शिक्षा केंद्र थे।

ऋग्वेद युग से शुरू होकर, शिक्षा प्रणाली ने विनम्रता, सच्चाई, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और सार्वभौमिक सम्मान जैसे गुणों पर जोर देते हुए नैतिक, भौतिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक मूल्यों को प्राथमिकता दी। भारतीय ज्ञान परंपरा के भीतर इस व्यापक दृष्टिकोण ने शैक्षिक प्रथाओं, ज्ञान प्रसार और स्थायी रीति-रिवाजों के माध्यम से मानवता को बढ़ावा दिया। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, वल्लभी, उज्जैन और काशी जैसे प्रमुख केंद्रों ने विशिष्ट शिक्षा और अनुसंधान के केंद्र के रूप में कार्य किया, ज्ञान और ज्ञान की खोज में विभिन्न देशों के छात्रों को आकर्षित किया।

प्राचीन भारतीय शिक्षा अपने विशिष्ट उद्देश्यों और व्यावहारिक दृष्टिकोण के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान रखती थी। भारतीय ज्ञान परंपरा ज्ञान और विज्ञान, लौकिक और पारलौकिक पहलुओं, कर्म और आध्यात्मिकता के साथ-साथ आनंद और त्याग को सहजता से एकीकृत करती है। विभिन्न ऐतिहासिक कालखंडों में फैली भारतीय ज्ञान परंपरा की विशेषता विश्वविद्यालयों और शैक्षिक प्रणालियों की स्थापना के माध्यम से इसकी निरंतरता रही है। हालाँकि, पिछली कुछ शताब्दियों में यह समृद्ध विरासत कम हो गई है। आज की दुनिया में ज्ञान की अपार शक्ति को देखते हुए, सुशिक्षित नागरिक और एक बेहतर समाज बनाने में हेतु भारतीय परम्परागत शिक्षा प्रणाली के इस पहलू को राष्ट्रीय ढांचे के भीतर सटीक प्रतिनिधित्व की भी आवश्यकता है।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एनईपी 2020 भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा से प्रेरणा लेता है और एक आधुनिक शिक्षा प्रणाली की कल्पना करता है जो वैश्विक मानकों के अनुरूप हो। यह कई प्रमुख सिद्धांतों पर केंद्रित है:

1. समग्र शिक्षा—यह नीति शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास के महत्व को पहचानते हुए शिक्षा के प्रति समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है।

2. बहु-अनुशासनात्मकता—प्राचीन भारतीय शिक्षा केंद्रों के समान, एनईपी छात्रों को विशेषज्ञता हासिल करने से पहले विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है, और अच्छी तरह से विकसित व्यक्तियों को बढ़ावा देता है।

3. लचीली शिक्षा—नीति पाठ्यक्रम डिजाइन में लचीलेपन को अपनाती है, जिससे छात्रों को विविध विषयों में से चुनने की अनुमति मिलती है और अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा मिलता है।

4. अनुसंधान और नवाचार—एनईपी 2020 अनुसंधान, नवाचार और महत्वपूर्ण सोच पर जोर देता है, जिसका लक्ष्य भारत को वैश्विक ज्ञान केंद्र में बदलना है।

5. डिजिटलीकरण—प्रौद्योगिकी के आगमन के साथ, नीति सीखने की सुविधा और शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाटने के लिए डिजिटल उपकरणों के उपयोग की वकालत करती है।

6. नैतिक मूल्य—एनईपी नैतिक शिक्षा पर पारंपरिक भारतीय जोर के साथ संरेखित करते हुए नैतिक मूल्यों और चरित्र निर्माण के महत्व को रेखांकित करता है।

एक सामंजस्यपूर्ण मिश्रण

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य भारत के अतीत को मिटाना नहीं है, बल्कि इसे आधुनिक संदर्भ में एकीकृत करना है। यह स्वीकार करता है कि भारतीय ज्ञान परंपरा और उसके शाश्वत ज्ञान का समकालीन दुनिया में स्थायी मूल्य है। पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक शैक्षणिक दृष्टिकोण के साथ मिश्रित करके, नीति का उद्देश्य एक सामंजस्यपूर्ण शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। एनईपी 2020 भारत की संस्कृति और भाषाओं की विविधता को भी मान्यता देता है, वैश्विक ज्ञान तक पहुँच प्रदान करते हुए क्षेत्रीय भाषाओं को संरक्षित और बढ़ावा देने के महत्व पर जोर देता है। यह भारत की ज्ञान परंपरा में निहित समावेशिता के अनुरूप है।

निष्कर्ष

विश्व विरासत के लिए भारतीय संस्कृति, ज्ञान परंपरा और शिक्षा की महत्वपूर्ण बातों को विरासतों के रूप में न केवल भावी पीढ़ी के लिए संजोया और संरक्षित किया जाना चाहिए, बल्कि हमारी शिक्षा प्रणाली के माध्यम से इसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य हमारी प्राचीन भारतीय ज्ञान विरासत परंपरा और शिक्षण पद्धतियों के शाश्वत मूल्यों को आधुनिक शैक्षिक प्रणाली और प्रणाली में सिंचित करना है। एनईपी 2020 भारत की शिक्षा प्रणाली को अतीत के ज्ञान से जोड़कर, इसे वर्तमान की जरूरतों के अनुकूल बनाकर और छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करके पुनर्जीवित करना चाहता है। परंपरा और आधुनिकता का यह सामंजस्यपूर्ण मिश्रण सशक्तिकरण, ज्ञानोदय और प्रगति के साधन के रूप में शिक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

■

आवरण : नीतिश कुमार

रुद्रादित्य प्रकाशन
190 एच/आर/3-एन, ओ.पी.एस. नगर, कालिन्दीपुरम,
प्रयागराज (उ.प्र.) पिन-211011 फोन 8187937731

ISBN 978-81-19335-74-9
9 788119 335688

₹ 250